

geschüttelt, gerüttelt, in Bewegung gesetzt: पत्तिग्रथं गवा प्रातमवधूत-  
मवन्तम् । द्रुपितं केशकीटैश्च मृत्प्रलेपेण मृद्यति ॥ M. 3, 125. MBh. 13,  
1377. वृष्टिवातावधूताग्रान्यादान् Daç. 1, 16. R. 6, 15. लीलावधूतैः —  
चामरैः Megh. 36. Kaurap. 34. रेणुः — पवनावधूतः Ragh. 7, 40, angestosen:  
अवधूतो मया चासौ विमानेन R. 6, 82, 62. befächelt: सिचा Pār. Grh. 3,  
15. Wohl n. nom. act. das Abstoßen in der Stelle संनिपातावधूतैः  
MBh. 4, 352 = Hariv. 4717.

— व्यव abschütteln: प्रोगव्यति होतव्यस्तथा केन न व्यवधूनुते  
Kāth. 37, 11. तानि वाणसकृन्नाणि चर्मणा व्यवधूय Hariv. 11076 (p. 792).  
संतापम् R. 2, 60, 5. चित्तम् 5, 14, 34. एवमप्यतितप्तस्य शोके मे व्यवधूयते  
3, 78, 10. Jmd schütteln, rütteln, hart zusetzen: दुःशासनेन व्यवधूयमाना  
MBh. 2, 2231. व्यवधूत vielleicht so v. a. resigniert: परस्परज्ञाः संकृष्टा  
व्यवधूताः सुनिश्चिताः । अयि पञ्चाशतं ग्रा मृदति मरुतो चमम् ॥ 6, 150.

— आ schütteln, rütteln, hinundherbewegen, umrühren (scheint an  
einigen Stellen mit आ-धाव् verwechselt zu sein): अग्रनाथुनोति Çat.  
Br. 14, 5, 9, 8. ज्ञेयिनी वा पत्न्या धूनीमि VS. 8, 48. स्तोत्रे शिखिनाधून्व-  
ते च RV. 9, 72, 8. शूनीये ऽन्यदीधूनुयात् TBh. 1, 4, 3, 4. (अग्रन्) आधवनीये  
ऽवधायाधूय Kāth. Çr. 9, 3, 6. 12, 5, 17. TS. 3, 3, 3, 1. (सोमः) आधूयमानः 4,  
4, 9, 1. — आधूय वेगेन विसंज्ञकल्पाम् MBh. 2, 2240. कृतौ कलाविति  
प्रोता वासांस्यादुधुस्तदा 7, 771. 4128 (vgl. 6, 1557). आधूय शाखाः कु-  
मुद्रमाणां Ragh. 16, 36. आडुधाव (मरुत्) वनराज्ञीः Kir. 9, 31. (स्थानः)  
आधुन्वतो वा पितृश्च तोयम् Varāh. Brh. S. 88, 10. कृताग्रमाधुन्वतो  
Amar. 32. आधूत geschüttelt, hinundherbewegt AK. 3, 2, 36. आधूतान्वा-  
युना पश्य संततान्पुष्पसंचयान् R. Gorr. 2, 104, 9. Ragh. 1, 38. 12, 85. 14,  
11. Kāthās. 19, 103. 23, 7. Bhāṭṭ. 8, 54. Kaurap. 16 (nach Schütz's Ver-  
besserung). beunruhigt, gequält: विद्विर्बुद्धिः R. 1, 63, 3. — An nie-  
heren Stellen fassen die Erklärer die Präposition आ in der Bed. von  
ईप्त् auf. — Vgl. आधव fgg. und आधाव.

— व्या hinundherbewegen: कौरा व्याधुन्वत्याः पिबसि रतिसर्वस्वमध-  
रम् Çak. 22. व्याधूय चीनांशुकम् Amar. 73. व्याधूयते निचुलतरुभिर्मञ्ज-  
रीचामराणि Vikr. 76. R. 5, 13, 40. अग्निशिखेव नक्तं व्याधूयमाना पवनेन  
MBh. 3, 15588. व्याधूत Git. 1, 36.

— समा auseinander Sprengen: (राक्षसान्) मानवास्त्रसमाधूताननिलेन  
यथा घनान् R. 1, 32, 15. Gorr. 33, 13.

— उद् 1) aufrütteln, aufschütteln, in Bewegung versetzen: उदुन्व-  
तो ऽपरे रेणुन् MBh. 3, 16280. उदुन्वाना रतो घोरम् R. 1, 28, 14. तस्य  
निश्चासवतिन रज उदुयते मरुत् MBh. 3, 13538 (= Hariv. 682). 7, 4711.  
रेणुमुदुतम् 3, 15691. Ragh. 1, 85. Prab. 79, 5. Kir. 3, 39. अश्वखरोदुतरे-  
णभिः Ragh. 9, 50. पवनोदुतैर्धूमैः 1, 53. वातेनोदुयमानः सागरः Suçr. 2,  
403, 15. उदुन्वाञ्चानिलोदुतः Bhāṭṭ. 8, 6. पवनोदुता यथा महामयः Hariv.  
12749. MBh. 13, 4076. उदुदुनोति वातो यथा वनम् RV. 10, 23, 4. मन्दा-  
निलोदुतकमलाकर Kumāras. 2, 29. अयुच्छितोदुयमानधृताः Varāh. Brh.  
S. 12, 7. Kāthās. 23, 78. R. 3, 58, 20. 22. मारुतोदुतशिखरैः प्रनत् इव पर्व-  
तः R. 2, 93, 8. anfachen (Feuer): उदुतमग्निम् Ragh. 7, 45. Kāthās. 9, 30.  
in die Höhe heben, schwingen: ताराः कौणोदुय Kāthās. 1, 2. क्रूरः सं-  
क्राडमानश्च उमया सह पर्वते । भुजाभ्यामुदुतः R. 3, 47, 10. कृतोदुत  
(कार्मुक) 6, 92, 60. प्रवल्गुललोदुतगोवर्धनच्छत्र Prab. 81, 7. पौदोदुत das  
in die-Höhe-Werfen der Füße MBh. 4, 353 = Hariv. 4719. aufregen,

in Aufregung versetzen (uneig.): समन्युरुदुयते प्राणपतिः शरीरे MBh.  
3, 15670. उदुतानीक सर्वेषां यद्वा नो हृदयानि वै Hariv. 4234. मदीदुतांश्च  
कुञ्जरान् R. 3, 13, 4. मानोदुत von Stolz gehoben Kāthās. 11, 16. — 2)  
abschütteln, abwerfen, ausstossen: शिराभिरुदुतकिरिदकुण्डलैः Bhāg. P.  
8, 10, 38. तस्य कृष्णभुजोदुताः केशिना दशना मुखात् । पेतुः Hariv. 4313.  
उदुतपाप Megh. 36. — 3) उदुत hoch, laut (vom Tone): पौरजनाः सर्वे  
सागरोदुतनिःस्वनाः MBh. 1, 6959. वरोहोदुतः निःस्वन 4, 332 (= Hariv.  
4718). वायुर्विवा मधेर्वोदुतः Hariv. 9608. — 4) in der Stelle: सदाशिखो-  
दुतशिखाम्बुविन्दुभिः Bhāg. P. 3, 13, 43 ist wohl उदुत st. उदुत zu lesen.

— समुद् aufrütteln, aufschütteln, in Bewegung setzen: रजः समुदुय  
MBh. 1, 1336. तस्या वासः समुदुतं मारुतेन 3846. वायुवेगसमुदुत (महा-  
र्णव) R. 5, 74, 27. शोभ्रवातसमुदुताः (तापदाः) Hariv. 3376. R. 3, 38, 30.  
समुदुतो यथा भूमिचले ऽचलः 6, 36, 38.

— उप anfachen; s. वतीपधूत.

— नि 1) hinwerfen, dahingeben: जरायै नि धुवामि वा AV. 3, 11, 7.  
एषा ते वधूर्नि धूयतां यम 1, 14, 2. पितृभ्यो नि धुवेत् TS. 5, 2, 3, 3. ० धूवेत्  
Kāth. 26, 1. 29, 3. Pañkav. Br. 9, 8, 10 (wo aber v. l.) — 2) hinundher-  
bewegen: कौरा निधुन्वन् Hariv. 14630. — Vgl. निधुवन.

— निस् 1) herausschütteln, abschütteln, entfernen: निर्धूनुते Çāṅkṣh.  
Br. 31, 8. निर्धूतपर्णशिखर R. 5, 16, 17. निर्धूतान्वायुना पश्य संततान्पुष्पसं-  
चयान् 2, 93, 10. दुःखं शोके च निर्धूय MBh. 4, 693. ज्ञाननिर्धूतकल्पम् Bhāg.  
3, 17. MBh. 13, 918. R. 1, 23, 15. Śūras. 14, 25. वधनिर्धूतशाय Ragh. 12,  
57. केशाकर्षणनिर्धूतगौरवा Dev. 3, 76. निर्धूतो ऽधरशोणामा Git. 12, 13.  
निर्धूतद्रव्यक्रियाकारकविधमोर्मये Bhāg. P. 4, 17, 29. निर्धूतत्राक्यकण्टका-  
म् (गिरम्) entfernt, vermieden MBh. 12, 6262. रसातलान्धकारं निर्धूताना  
verscheuchend Daçak. 126, 9. — 2) auseinanderreiben, verjagen, ver-  
scheuchen, vertreiben, fortstossen, verstossen (das obj. ein lebendes We-  
sen): वालमृगैश्च निर्धूतैः R. 5, 37, 42. 6, 20, 7. निर्धूय तान्नागभृत्यान् R.  
Gorr. 1, 33, 6. किमन्यैः कालनिर्धूतैः कल्पाते वैलवादिभिः Bhāg. P. 7, 3,  
14. निर्धूतो ऽस्मि वलीयसा R. 4, 8, 21. रोपेण मया पापेन निर्धूतः MBh. 3,  
269. निर्धूताव्यास्वसाणिः Verstossene Jāç. 2, 71. — 3) schütteln,  
schwingen, in Bewegung setzen: निर्धूय सकृन् शिरः R. 2, 33, 1. गदम् —  
कालाङ्कुशेन निर्धूताम् Hariv. 6238. राजनिर्धूतदण्ड über dem der König  
den Stock geschwungen hat, vom Könige bestraft M. 8, 318. स्त्रावा वा-  
सो न निर्धूनेत् (sic) ausschütteln MBh. 13, 5006. — 4) bedrängen, quä-  
len, belästigen: तेजसार्कस्य निर्धूतो न विषादं गतः R. 5, 2, 26. — 5) निर्धूत  
entblösst, beraubt: द्रव्यावयव<sup>०</sup> Hariv. 3331.

— विनिस् 1) abschütteln: विनिर्धूतमलाशय Bhāg. P. 6, 3, 4, 26. विनि-  
र्धूतशेषमनोमल 4, 21, 31. — 2) auseinanderblasen, auseinanderreiben,  
fortblasen, fortstossen: अक्षरीतादिनिर्धूतास्तस्य वेगेन राक्षसाः । भूमौ  
निपतिताः R. 6, 16, 89. तं विनिर्धूय निर्यातमस्मान्सर्वान् 4, 8, 40. — 3)  
hinundherbewegen: विनिर्धूपाग्रहस्तम् R. Gorr. 2, 20, 4. बभूवुरगमाः सर्वे  
मारुतेन विनिर्धूताः 5, 16, 20.

— प्रविनिस् hinschleudern: दंष्ट्राभ्यां प्रविनिर्धूता ममेते दन्तिणां दिशम् ।  
आश्रिता धरणीं पिण्डाः MBh. 12, 13417.

— परि hinundherschütteln: त्रयो तनुं स्वां परिधुन्वते नमः Bhāg. P.  
3, 13, 33. परिधूत (nach der Verbesserung Schütz's, zur Erkl. von आधू-  
त Schol. zu Kaurap. 16.